INTERNATIONAL JOURNAL OF ENHANCED RESEARCH IN MANAGEMENT & COMPUTER APPLICATIONS

VOL. 1, ISSUE 2, NOV. 2012 ISSN NO: 2319-7471

# सोनीपत जिले के सन्दर्भ में सन 2005 में हरियाणा विधानसभा चुनाव का विश्लेषण

कुलभूषण शर्मा

## सार

हरियाणा विधानसभा क्षेत्र में कुल 90 विधानसभा सीटें हैं। सन 2005 के चुनाव में हरियाणा में मुख्य रूप से इंडियन नेशनल कांग्रेस, इंडियन नेशनल लोकदल, बहुजन समाज पार्टी, भारतीय जनता पार्टी तथा राष्ट्रवादी कांग्रेस ने भाग लिया। हरियाणा विधानसभा चुनाव की घोषणा निर्वाचन आयोग द्वारा 3 फरवरी 2005 को घोषित की गई। चुनाव आयोग ने राज्य में नियमानुसार एवं निर्धारित समय पर चुनाव करवाए। इस चुनाव में मुख्य रुप से सभी पार्टियों ने चुनाव के समय उम्मीदवारों के चयन में एक जैसा ही तरीका अपनाया गया था। पार्टी की एकता और उसके प्रति वफादारी का प्रश्न ऊपर था। केंद्र व राज्य स्तर के मुख्य नेताओं ने उम्मीदवारों के चयन में मुख्य भूमिका अदा की। राष्ट्रीय दलों में टिकट देने की अंतिम इजाजत केंद्रीय समिति को थी। राज्य समिति को केवल सलाहकार की भूमिका दी गई थी। इनेलो पार्टी में ओम प्रकाश चौटाला की भूमिका टिकट वितरण में महत्वपूर्ण रही। परंतु कांग्रेस पार्टी के टिकट वितरण में केंद्र एवं राज्य स्तर के मुख्य नेताओं ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। भाई भतीजावाद का बोलबाला मुख्य रुप से देखा गया जिस कारण कई दावेदारों ने टिकट नहीं मिलने पर बगावती तेवर दिखाते हुए निर्दलीय चुनाव लड़े।

## भूमिका

चुनाव प्रोग्राम के अनुसार नामांकन पत्र दाखिल करने की अंतिम तिथि 17 जनवरी 2005, फार्म जांच पड़ताल की तिथि 18 जनवरी 2005, नामांकन पत्र वापस लेने की तिथि 20 जनवरी 2005, मतदान की तिथि 3 फरवरी 2005, मतगणना की तिथि 27 फरवरी 2005 व चुनाव परिणाम की तिथि भी 27 फरवरी 2005 रखी गई।

VOL. 1, ISSUE 2, NOV. 2012 ISSN NO: 2319-7471

सारी चुनावी प्रक्रिया पूरी होने की तिथि 5 मार्च 2005 रखी गई।

नामांकन पत्र भरना उठाना तथा समाप्त करना घोषित कार्यक्रम के अनुसार हरियाणा राज्य की 90 विधानसभा सीटों के लिए 1418 नामांकन पत्र भरे गए। इनमें से 144 नामांकन पत्र वापस उठा लिए गए। 291 नामांकन पत्रों को गलत घोषित किया गया। इस प्रकार इस चुनावी लड़ाई में 983 उम्मीदवार शेष रहे।

हरियाणा विधानसभा चुनाव 2005 में 12735888 मतदाताओं ने अपने मत का प्रयोग किया जिसमें से 6903732 पुरुष तथा 5832156 स्त्रियां शामिल थी । इन चुनाव में 7 महिलाएं उम्मीदवार तथा 923 पुरुष उम्मीदवार थे। हरियाणा विधानसभा 2005 में बहुत से राजनीतिक दल चुनाव मैदान में उतरे इनेलो, इंडियन नेशनल कांग्रेस, भारतीय जनता पार्टी, बहुजन समाज पार्टी, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी, कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया, कम्युनिस्ट पार्टी, राष्ट्रीय जनता दल, मार्क्सवादी, लेनिनवादी पार्टी ऑफ इंडिया, जनता दल और अन्य इसके अलावा 442 उम्मीदवार निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में चुनाव मैदान में उतरे ।

हरियाणा विधानसभा चुनाव 2005 में मुख्य मुकाबला इंडियन नेशनल कांग्रेस तथा इंडियन नेशनल लोकदल के बीच था इसमें इंडियन नेशनल कांग्रेस को 3889125 मत मिले तथा इस पार्टी की सरकार बनी। कांग्रेस पार्टी जो 2005 के विधानसभा चुनाव से पहले सत्ता से बाहर थी। वह 2005 में 67 सीटें जीतकर सत्ता में आई। इनेलो और भाजपा गठबंधन इन चुनावों में टूट गया। इनेलो को केवल 9 सीटों पर ही सफलता मिली अधिकतर निर्दलीय विधायकों ने कांग्रेस पार्टी को अपना समर्थन दिया ।

चुनाव 2005 में मतदान व्यवहार को प्रभावित किया। हरियाणा विधानसभा चुनाव 2005 के चुनाव पर 2004 में हुए लोकसभा चुनाव का महत्वपूर्ण असर पड़ा। लोगों ने लोकसभा चुनाव में जिस पार्टी को प्रदेश में जिताया उसी पार्टी को विधानसभा चुनाव में जिताना उचित समझा ।

इन चुनाव में कांग्रेस पार्टी को भारी सफलता प्राप्त हुई। इन चुनावों में उसने अपने परंपरागत चुनावी आधार पर ऊंची जातियों पिछड़ी जातियों और अनुसूचित जातियों के मत प्राप्त करके बहुमत प्राप्त किया । क्योंकि 2000 के चुनाव के समय भजन लाल व भूपेंद्र सिंह हुड्डा की आपसी विरोधों के कारण चुनावी आधार को बनाए रखने में असफल रहे। क्योंकि ओम प्रकाश चौटाला ने 2000 के चुनाव के बाद कार्यकर्ताओं की समस्याओं की ओर ध्यान नहीं दिया साथ ही किसानों की मांगों की तरफ भी खास ध्यान नहीं दिया।



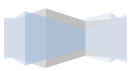

VOL. 1, ISSUE 2, NOV. 2012 ISSN NO: 2319-7471

राज्य स्तर पर हविपा व भाजपा पार्टी आम विपत्ति में दिख रही थी। दूसरी ओर ओम प्रकाश चौटाला की पार्टी इनेलो से भी जनता संतुष्ट नहीं थी फरवरी 2005 में हरियाणा विधानसभा चुनाव से पूर्व कांग्रेस पार्टी ने जनता से बहुत से लुभावने वादे किए थे।

2005 के हरियाणा विधानसभा चुनाव में इनेलो भाजपा गठबंधन टूट गया। हरियाणा विकास पार्टी का कांग्रेस पार्टी में मिलन हो गया सोनिया गांधी के द्वारा राज्य स्तर पर तथा जिला स्तर पर आपसी झगड़े को सुलझाने की कोशिश की गई तथा 2005 के चुनाव में कांग्रेस पार्टी का शानदार प्रदर्शन रहा।

## फरवरी 2005 के चुनाव के समय सोनीपत जिले का राजनीतिक वातावरण

सोनीपत विधानसभा क्षेत्र में मुख्य मुकाबला कांग्रेस के अनिल ठक्कर, भाजपा के ललित बत्रा इनेलो पार्टी के उम्मीदवार सितेंद्र कुमार और एनसीपी पार्टी के उम्मीदवार देवराज दीवान के बीच था। सोनीपत जिले में 2005 के विधानसभा चुनाव में सबसे ज्यादा वोट कांग्रेस के उम्मीदवार अनिल ठक्कर को मिले। उसने 106128 वोटों में से 33057 वोट प्राप्त किए।

दूसरे स्थान पर राजीव कुमार एक स्वतंत्र उम्मीदवार के रूप में आगे आए। इनका मत प्रतिशत 27.26 रहा। तीसरे स्थान पर इनेलो पार्टी के उम्मीदवार सितेंद्र कुमार रहे। इनका मत प्रतिशत 19.70 रहा। चौथे स्थान पर राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के उम्मीदवार देवराज दीवान रहे। इनका मत प्रतिशत 8.97 रहा और पांचवें स्थान पर भाजपा के उम्मीदवार ललित बत्रा जी रहे। इनका मत प्रतिशत 7.80 रहा। बसपा पार्टी के उम्मीदवार सत्यपाल को 2671 मत प्राप्त हुए तथा इनका मत प्रतिशत 2.51 रहा।

सोनीपत विधानसभा क्षेत्र राजनीतिक रुप से एक महत्वपूर्ण क्षेत्र है कांग्रेस पार्टी के उम्मीदवार अनिल ठक्कर को टिकट मिलने के कारण थे :

1 पंजाबी बड़ी संख्या में है इस कारण पार्टी ने अनिल को अपना प्रत्याशी घोषित किया।

2 कांग्रेस उम्मीदवार अशोक शर्मा का फरवरी 2000 के चुनाव में निराशाजनक प्रदर्शन रहा जिस कारण फरवरी 2005 के विधानसभा चुनाव में फेरबदल किया गया।

3 राजस्थान के नेताओं ने जिला स्तर की गुटबाजी समाप्त करने के लिए चुनाव में उतारा।

4 अनिवासी होने के कारण उनका शहरी मतदाताओं से संपर्क में रहना।

VOL. 1, ISSUE 2, NOV. 2012 ISSN NO: 2319-7471

## निष्कर्ष

हरियाणा विधानसभा चुनाव 2005 में हरियाणा की जनता ने कांग्रेस पार्टी के पक्ष में मतदान किया और कांग्रेस पार्टी की हरियाणा में सन 2005 में पूर्ण बहुमत की सरकार बनी।

सोनीपत जिले में भी कांग्रेस पार्टी का बहुमत रहा। सोनीपत जिले में कांग्रेस के उम्मीदवार अनिल ठक्कर ने सबसे ज्यादा वोट लेकर विजय प्राप्त की।

## संदर्भ

1. रिपोर्ट ऑन हरियाणा विधानसभा इलेक्शन, चंडीगढ़

2 हरियाणा विधानसभा चुनाव 2005 पर रिपोर्ट मुख्य चुनाव अधिकारी चंडीगढ़ हरियाणा

3 रणवीर सिंह, कुशल पाल सिंह, हरियाणा असेंबली इलेक्शन 2005, एंड एनालिसिस मेनस्ट्रीम वॉल्यूम 8 नंबर 18 नई दिल्ली अप्रैल 23 पृष्ठ संख्या 37

4 जिला चुनाव कार्यालय रिपोर्ट, 2005, जिला सोनीपत, हरियाणा

5 मुख्य चुनाव कार्यालय, चंडीगढ़, हरियाणा

6 द ट्रिब्यून चंडीगढ़, 27 फरवरी, 2005

7 रिकॉर्ड तहसीलदार, चुनाव कार्यालय, सोनीपत

8 दैनिक ट्रिब्यून, "समय के साथ बदलते नारे", चंडीगढ़, 17 फरवरी 2005